खैरलांजी में बैनगंगा नदी में डूबने से दो युवकों की मौत

बालाघाट/वारासिवनी, देशबन्धु। जिले के खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम खैरी से प्रवाहित होने वाली वैनगंगा नदी में सोमवार को डूबने से दो युवकों की मौत हो गई।

बताया गया कि साहिल पिता मनोज भालाधरे 18 वर्ष और अक्षय पिता संजय लानगे 18 वर्ष दोनों ग्राम खैरी निवासी सुबह लगभग 10 बजे वैनगंगा नदी में नहाने के लिए गए हुए थे, जहां पर नहाने के दौरान दोनों युवक नदी पर बने पुल के नीचे गड्ढे में चले गए, वहां अधिक गहरा गड्ढा होने से गहरे पानी में चले जाने से वे बाहर नहीं निकल पाए।

घटना की जानकारी मिलने पर खैरलांजी थाना से सहायक उपनिरीक्षक किशोर माने, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र सिंह नागभिरे, कार्यालय सहायक उपनिरीक्षक आर्मो ने मौके पर पहुंचकर मछुआरों की सहायता से दोनों युवकों की खोज प्रारंभ की गई। मछुआरों ने नदी में खोज के दौरान गहरे गड्ढे से दोनों के शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस ने दोनों के शव का पंचनामा कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम करवाकर स्वजनों को सौंपा। एक ही गांव में एक साथ दो युवकों की मौत हो जाने से पूरे मातम छाया हुआ है। घटना के बाद से दोनों युवकों के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की जांच कर रहे सहायक उपनिरीक्षक किशोर माने ने बताया कि दोनों युवक खैरी के रहने वाले हैं। वे नहाने के लिए वैनगंगा नदी में गए थे। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

ट्रेडिंग के नाम पर सवा सौ करोड़ की धोखाधड़ी

वारासिवनी पुलिस ने नहीं सुनी, निवेशक एसपी कार्यालय पहुंचे, कार्रवाई की मांग

बालाघाट, देशबन्धु। बालाघाट में ट्रेडिंग के नाम पर सवा सौ करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। वारासिवनी पुलिस की शिकायत पर सुनवाई न किए जाने से नाराज होकर निवेशकों ने सीधे पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

सोमवार को निवेशकों ने वारासिवनी के वारा सरपंच राजा अली, मुद्दसर अली, फरहान और उनके साथियों पर केस दर्ज करने और अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है। लगभग आधा दर्जन से अधिक पीड़ित निवेशक एसपी दफ्तर पहुंचे थे। पीड़ित नगेंद्र रंगारे ने बताया कि उन्होंने ट्रेडिंग के नाम पर सात लाख रुपए का निवेश किया था, जबकि उनके साथ आए अन्य

निवेशकों की कुल राशि लगभग 60 लाख रुपए है। उनका दावा है कि वारासिवनी और आसपास के इलाकों में कुल मिलाकर करीब सवा सौ करोड़ रुपए का फ्रॉड किया गया है।

महीने में 6% मुनाफे का लालच

निवेशकों ने बताया कि उन्हें ट्रेडिंग कंपनी में पैसा लगाने पर हर महीने 6 प्रतिशत मुनाफा (रिटर्न) दिलाने का भरोसा दिया गया था। आरोपियों ने खुद गारंटी लेते हुए निवेशकों से मोटी रकम जमा करवाई, लेकिन अब जब निवेशक अपना पैसा वापस मांग रहे हैं, तो उन्हें धमकियां दी जा रही हैं।

पुलिस की ढिलाई से निवेशकों में नाराजगी-एक अन्य पीड़ित सुनील पिपरेवार ने कहा कि ट्रेडिंग के नाम पर चूना लगाने वालों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पुलिस की इस ढिलाई से सभी निवेशक परेशान और गुस्से में हैं। उन्होंने मांग की है कि पुलिस इस करोड़ों के घोटाले पर तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई करे और निवेशकों की डूबी हुई राशि वापस करवाए।

सार-समाचार

सांसद प्रतिनिधि का जन्मदिन मनाया

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर के भाजपा कार्यालय में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी का जन्मदिन मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने बडे ही धूमधाम से आतिशबाजी कर सांसद प्रतिनिधी को जन्मदिन की बधाई दी। पूर्व उर्जा राज्यमंत्री दशरथ सिंह लोधी ने कहा कि मूरत सिंह 55 वर्ष के हो चुके हैं, इन्होनें हमेशा अपने कार्यो से लोगों का दिल जीता हैं हमेशा लोगों की मदद के लिए खडे रहते हैं। इसके पूर्व सुबह ग्राम नरगुंवा में जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण किया गया। कार्यकर्ताओं ने तिलक लगाकर एवं माला पहनाई एवं मुंह मीठा कराया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, पूर्व अध्यक्ष गोविंद यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम जैन, राजकुमार लोधी, दीपक कटारे, सतेंद्र जैन, रश्मि साहू, महेंद्र ठाकुर, भागचंद्र जैन, डां गिरन केवट सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पन्ना में भाइयों में रास्ते के विवाद पर हमला, दो भाई गंभीर

पन्ना, देशबन्धु। जिले के पवई थाना क्षेत्र के ग्राम नारायनपुरा में रास्ते के विवाद को लेकर एक ही परिवार लोगों में मारपीट हो गई। विवाद इस कदर बढ़ा कि मंझले भाई और उसके दो बेटों ने अपने ही बड़े और छोटे भाई पर लाठी और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया।

इस हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, नारायनपुरा निवासी बद्री सिंगरौली (60 वर्ष) और उनके बड़े भाई कृपाल सिंगरौली (70 वर्ष) का अपने मंझले भाई रामलाल से रास्ते को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। सोमवार, 15 जून को इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। रामलाल और उसके बेटों शिवदयाल और देवीदीन ने बद्री और कृपाल पर डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

हमले के दौरान मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने दोनों भाइयों को लहूलुहान हालत में देखकर तुरंत बीच-बचाव किया और मामला शांत कराया। ग्रामीणों की मदद से ही दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई ले जाया गया।

इस हमले में बड़े भाई कृपाल के सिर पर डंडे से गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, छोटे भाई बद्री ने जब हमले को रोकने का प्रयास किया, तो उनके दोनों हाथों में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है, जिसके बाद पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

देवसर बायपास पर खड़े ट्रक से टकराया ऑटो, चालक समेत चार घायल

सिंगरौली, देशबन्धु। सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र में सोमवार शाम करीब चार बजे एक सड़क हादसा हुआ। पश्चिमी बाईपास मार्ग पर एक ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में ऑटो चालक सहित उसमें सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना देवसर के पश्चिमी बाईपास पर हुई, जहां लंबे समय से भारी वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग एक समस्या बनी हुई है। जिस ट्रक से ऑटो टकराया, वह भी सड़क किनारे खड़ा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार ऑटो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सीधे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए, उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की भी सूचना है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पश्चिमी बाईपास पर ट्रकों की अवैध और बेतरतीब पार्किंग लंबे समय से जारी है।

तेंदुआ समझकर पहुंची वन टीम नाली में मिली जंगली बिल्ली

बालाघाट, देशबन्धु। बालाघाट के भरवेली थाना क्षेत्र में तेंदुए की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम को 6 घंटे बाद पता चला कि नाली में फंसा जानवर तेंदुआ नहीं, बल्कि एक जंगली बिल्ली है। इसके बाद वन अमला बिना रेस्क्यू किए ही वापस लौट गया। यह घटना आंवलाझरी पंचायत के कटिंगटोला में हुई।

जानकारी के अनुसार, कटिंगटोला में उमेश मेश्राम का मकान बन रहा है। सुबह तराई करने पहुंचे मेश्राम ने खाली क्षेत्र से एक वन्यजीव को आते देखा, जिसकी आंखें चमक रही थीं। उन्होंने उसे तेंदुआ समझ लिया और इसकी सूचना अपने परिचितों को दी। यह जानकारी सरपंच के माध्यम से वन विभाग तक पहुंची।

तेंदुए की सूचना मिलने पर बालाघाट वन परिक्षेत्र का अमला रेस्क्यू की तैयारी के साथ मौके पर पहुंचा। टीम अपने साथ पिंजरा, हरी मेट, पटाखे और साउंड सायरन लेकर आई थी। रेंजर हिमांशु राय ने बताया कि पास के वन क्षेत्र में तेंदुओं की अधिकता है, इसलिए उन्हें नाली में तेंदुआ होने की संभावना थी।

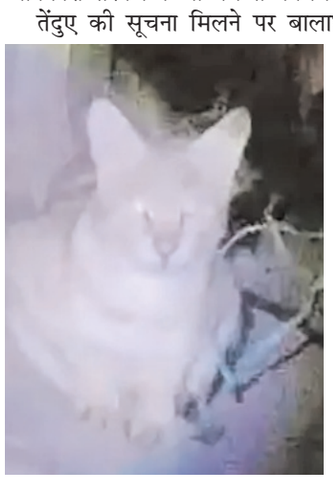

छह घंटे बाद पता चला सर्च ऑपरेशन, बिना रेस्क्यू वापस लौटा वन अमला

एसडीओ फॉरेस्ट विनिता फुलबेले ने बताया कि टीम ने नाली के दोनों छोर पर पिंजरे लगाए और कथित तेंदुए को बाहर निकालने के लिए पटाखे व सायरन का इस्तेमाल किया। बाद में टॉर्च की रोशनी से देखने पर पता चला कि नाली में फंसा जानवर एक जंगली बिल्ली है। चूंकि जंगली बिल्ली से किसी मानव को नुकसान होने की आशंका नहीं थी, इसलिए वन विभाग ने रेस्क्यू अभियान बंद कर दिया। इसके बाद वन अमला बिना किसी कार्रवाई के वापस लौट गया।

पेसा मोबिलाइजरों को हटाया, छह माह का वेतन अटका

बालाघाट में 172 कर्मचारी बेरोजगार, 5 साल से कर रहे थे नौकरी, ज्ञापन सौंपा

बालाघाट, देशबन्धु। जिले में सोमवार को पेसा मोबिलाइजरों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए नौकरी से हटाए जाने का आदेश वापस लेने और पिछले छह महीने का बकाया वेतन देने की मांग की है। जिले के आदिवासी इलाकों से जिला मुख्यालय पहुंचे इन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम संयुक्त कलेक्टर मायाराम कौल को ज्ञापन सौंपा।

मध्य प्रदेश सरकार ने साल 2020 में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पेसा एक्ट लागू करने के बाद इन पेसा मोबिलाइजरों की भर्ती की थी। इनका मुख्य काम गांवों और पंचायतों के जरिए सरकारी योजनाओं की जानकारी और उनका फायदा सीधे ग्रामीण और आदिवासी समाज तक पहुंचाना था।

ये कर्मचारी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने और योजनाओं को जमीन पर उतारने का काम कर रहे थे। लेकिन 18 मई को मध्य प्रदेश शासन ने एक अचानक आदेश जारी कर पूरे प्रदेश में काम कर रहे सभी पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं तुरंत प्रभाव से खत्म कर दीं, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

172 कर्मचारी हुए बेरोजगार, घरों में आर्थिक संकट-अकेले बालाघाट जिले में ऐसे 172 पेसा मोबिलाइजर हैं, जो सरकार के इस फैसले के बाद अचानक बेरोजगार हो गए हैं। आदिवासी क्षेत्र बिरसा के गुदमा गांव में मोबिलाइजर के पद पर रहीं कविता शरणागत ने बताया कि एक तो नौकरी चली गई और ऊपर से पिछले छह महीने से मानदेय भी नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कविता शरणागत ने आगे कहा कि ज्यादातर मोबिलाइजरों के परिवारों का गुजारा इसी नौकरी से मिलने वाले पैसों से चलता था। अब मानदेय न मिलने और नौकरी से निकाले जाने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, घर का खर्च और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना बेहद मुश्किल हो गया है।

मांगें पूरी न होने पर भोपाल में आंदोलन की चेतावनी-प्रदर्शनकारी मोबिलाइजरों ने सरकार से मांग की है कि उन्हें नौकरी से निकालने के आदेश पर दोबारा विचार किया जाए और इसे तुरंत रद्द कर उनकी सेवाएं बहाल की जाएं। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही उनके छह महीने के रोके गए मानदेय का भुगतान नहीं किया गया और उन्हें काम पर वापस नहीं लिया गया, तो वे सब मिलकर राजधानी भोपाल कूच करेंगे और वहां एक बड़ा उग्र आंदोलन करेंगे।

कलाग्राम पाटनगढ़ में 'जनगण उत्सव' मनाया

जनगण स्मृति व्याख्यान, चित्रकला, कार्यशाला लोकगीत, लोकनृत्य और रचनापाठ के हुए कार्यक्रम

पाटनगढ़/डिंडोरी, देशबन्धु। कलाग्राम पाटनगढ़ में रजा फाउंडेशन के सहयोग से जनगण परधान गोंड चित्रकला संरक्षण एवं संवर्धन समिति और टिकुली कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध चित्रकार जनगण सिंह श्याम की स्मृति में 'जनगण उत्सव' का आयोजन किया गया। आयोजन में जनगढ़ स्मृति व्याख्यान, चित्रकला, कार्यशाला, लोकगीत, लोकनृत्य और रचनापाठ जैसे विविध कार्यक्रम हुए।

कलाग्राम पाटनगढ़ स्व. जनगढ़ सिंह श्याम का जन्मस्थान है, जहां पर उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हर साल यह आयोजन किया जाता है। जनगण उत्सव का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, कथाकार, फिल्मकार उदय प्रकाश ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ नवगीतकार रामनिहोर तिवारी ने की। आयोजन का संचालन संयोजन साहित्यकार और संस्कृतिकर्मी संतोष कुमार द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चित्रकार, कवि, ग़ज़लकार, कथाकार, आलोचक, लोक कलाकार और ग्रामीण जन शामिल हुए। आयोजन में आदिवासी बालक-बालिकाओं ने चित्रकला कार्यशाला में सहभागिता की और स्थानीय कलाकारों ने लोकनृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी।

जनगण स्टेच्यू पर श्रद्धांजलि-आयोजन की शुरुआत गांव के मध्य स्थिति जनगण स्टेच्यू पर श्रद्धांजलि के साथ हुई। आमंत्रित अतिथियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों ने जनगण सिंह श्याम को श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि की शुरुआत जनगण सिंह श्याम की सुपुत्री जापानी श्याम धुर्वे और

पुत्र मनीष श्याम ने स्व. जनगढ़ सिंह श्याम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि समर्पित कर किया। स्थानीय कलाकारों ने मादल और टिमकी की थाप और गुदुम बाजा से अतिथियों का स्वागत किया।

स्मृतियों में जनगण-ख्यातिलब्ध कहानीकार उदय प्रकाश ने अपने उद्बोधन में बताया कि कैसे पाटनगढ़ के इस प्रतिभाशाली आदिवासी युवक ने जे. स्वामीनाथन की करुणा और प्रेरणा और प्रोत्साहन से भारत भवन में एक नवीन चित्रशैली को जन्म दिया। उन्होंने जनगण के साथ अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि आज उनके जन्मस्थान आकर, उनके परिजनों से मिलकर वे धन्यता का अनुभव कर रहे हैं। जनगढ़ सिंह श्याम के बचपन के मित्र जमुना भाई ने बताया कि जनगण सिंह श्याम चित्रकला के साथ ही बहुत अच्छे लोकनर्तक और बांसुरीवादक भी थे। बघेली लोक संचयिता नरेन्द्र बहादुर सिंह ने 'बिना पंख के सुअना रे उड़ि लग्यो अकाश' गाकर जनगण सिंह श्याम की चित्रकला की उड़ान को याद किया। जनगढ़ सिंह श्याम की सुपुत्री चित्रकार जापानी श्याम धुर्वे ने अंगवस्त्र प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। चित्रकला कार्यशाला में सहभागी बच्चों को पुरस्कार राशि और सर्टीफिकेट वितरित किए गए।

पैसा भले नहीं था लेकिन, जीवन था खुशहाल / साफ नदी थी, अमरित जल था जंगल पालनहार... रचनापाठ सत्र में बुंदेलखंड की कहानीकार डॉ. निधि अग्रवाल और उदय प्रकाश ने कहानी पाठ किया, जिसका ग्रामीणों ने खूब आनंद उठाया। कवितापाठ में डॉ. मणि मोहन मेहता की कविता गौरैया, जोशना बैनर्जी की कविता ताबूत, वरिष्ठ नवगीतकार रामनिहोर की रचना 'सब के सब पहाड़ के पाथर, बन बैठे भगवान, पुजारी हैरत में, राजा अवस्थी के गीत 'मुकुट बिहारी सच कहते थे' विभूति तिवारी का गीत जंगल पालनहार ने खूब समां बांधा।

महेश अजनबी की ग़ज़ल देवता कुछ अनमने हैं, के साथ ही युवा ग़ज़लकार दीपक अग्रवाल शेर और वरिष्ठ कवि गिरीश पटेल की रचनाएं खूब सराही गईं। उदय प्रकाश जी की कालजयी कविता 'कुछ नहीं सोचने, कुछ नहीं करने से आदमी मर जाता है' से इस सत्र का समापन हुआ। आयोजन समिति की ओर से जापानी श्याम, सुखनंदी ब्याम, हीरामन उर्वेती, राहुल श्याम, मनीष शयाम और ग्राम पंचायत के सरपंच चंद्रभान सिंह कुशराम आदि ने सभी अतिथियों को स्मृतिचिन्ह के रूप में पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया। अंत में स्थानीय लोकनर्तक मण्डली द्वारा लोकनृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। युवा चित्रकार जापानी सिंह श्याम के आभार प्रदर्शन के साथ आयोजन सम्पन्न हुआ।

बालाघाट में तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारी, कार का अगला हिस्सा पिचका

बालाघाट, देशबन्धु। बालाघाट के सरेखा रेलवे ओवरब्रिज पर सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार का एक हिस्सा पूरी तरह पिचक गया, लेकिन गनीमत यह रही कि कार चला रहे युवक की जान बाल-बाल बच गई। हादसे के ठीक बाद ओवरब्रिज पर राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

दिल्ली से सामान खाली कर लौट रहा था ट्रक-यह दुर्घटना सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के टर्निंग पॉइंट पर उस समय हुई, जब दोनों वाहन एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान ट्रक ने कार को ड्राइवर साइड से टक्कर मार दी। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना में शामिल ट्रक एमपी 11 जीसी 4950 हरियाणा के मेवात का है। यह ट्रक दिल्ली से खाने-पीने का सामान लेकर बालाघाट आया था। सामान खाली करने के बाद ट्रक चालक लुकमान (21) निवासी मेवात गाड़ी लेकर गोंदिया की तरफ वापस लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

परिवार को लेने गोंदिया जा रहा था कार चालक-कार के चालक आशीष उर्फ मोंटी सोनवाने ने बताया कि वह बैहर रोड वार्ड नंबर 3 के रहने वाले हैं। वे अपने परिवार को लेने के लिए कार से गोंदिया जा रहे थे। हादसे के बाद कार चालक ने ट्रक मालिक से गाड़ी के नुकसान के मुआवजे की मांग की है।

दोनों वाहनों को क्रेन से हटाया-घटना की खबर मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से रास्ते से हटाकर ग्रामीण थाने में खड़ा करवाया और जाम खुलवाया। पुलिस दोनों चालकों को थाने ले आई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।